समर्पण पत्र

परमात्मा की आज्ञा से हम आप को एक अनोखा समर्पण पत्र पेश कर रहे हैं जिसमें आप स्वयं को ईश्वरीय निर्देशों की पूर्णरूपेण पालन करने की घोषणा करेंगे घोषित करेंगे । यह समर्पण पत्र सभी ब्रह्माकुमार कुमारीयों के लिये है । इसे सदा स्मृति में बनाये रखें । यह आप को परमपिता से किये गये वायदों की स्मृति दिलायेगा ।

प्रति,
शिवबाबा

अपना नाम (जिसके तरफ से)

मैं आपको आज यह लिख रहा हूँ । आप सबसे अतिप्रिय व्यक्तित्व हो और सभी तुम्हारे नाम से परिचित हैं । वे आपको भगवान, ईश्वर, अल्लाह के नाम से पुकारते हैं । फिर भी कोई आपको, आपके परिचय को और कर्तव्य को नहीं जानते जो आप सारे विश्व के लिए कर रहे हो ।

हे परमपिता, मैंने आपको पहचान लिया है । मैं आपका सिकिलधा बच्चा हूँ । मैं एक आत्मा हूँ । आप परमात्मा हो । मैंने अब आपका परिचय भी जान लिया है । आप शान्ति, पवित्रता, प्रेम और ज्ञान के सागर हो । मुझे यह सभी कुछ प्राप्त होते हैं जब मैं आप को याद करता हूँ । आप एक ज्योतिबिंदु समान हो और इस सृष्टि चक्र के परे हो । आप सभी आत्माओं को पावन बनाने के लिये आये हो और पुनः हमें अपने वास्तविक घर वापस ले जाने के लिये आये हो जहाँ पर शान्ति और प्रकाश है ।

आपके निर्देशानुसार, मैंने आजीवन पवित्रता का व्रत पालन करने की प्रतिज्ञा की है । आपने हमें बताया है कि हमारा सृष्टि चक्र में अब अंतिम जन्म है । अब हम अपने सत्य रूहानी परिचय से वाकिफ हुए हैं । प्रिय बाबा, में वचन देता हूँ कि मैं संकल्प, वचन कर्म से पवित्र रहूँगा । मैं कभी किसी को न दुःख दूंगा , न लूँगा । आप समान मैं ख़ुशी और ज्ञान का दाता बनूँगा । मैं स्वयं को आपके विश्व परिवर्तन के श्रेष्ठ कार्य में मददगार बनने की घोषणा करता हूँ । आप मेरे हाथों की, मुख के शब्दों की और मन के श्रेष्ठ विचारों की शक्ति बन चुके हो ।

ओ बाबा, आपने हमें स्वर्ग का राज्य भाग्य दिया । आप ही स्वर्ग के रचयिता परमपिता परमात्मा हो जिनकी हम प्रार्थना करते थे । अब आप आये हो हमें आप समान बनाने के लिये। आप सबसे रहमदिल हो। कोई भी आप जैसा नहीं है । आप बिना शब्द उच्चारे ही सब कुछ समझा देते हो । मुझे भी आप समान बनाना । मैं पूर्णरूप से आप का हूँ । मैं अपना सारा समय, शक्ति और अटेंशन आपके ज्ञान मुरली, विश्व सेवा और आप के लिए देता हूँ । हे विश्व के रचयिता, हे सभी दुःखों को हरने वाले ।

अंत में, मैं घोषणा करता हूँ कि आज से, इस घड़ी से, मैं स्वयं को आप को समर्पण करता हूँ । आप ने जो कुछ भी मुरलियों में कहा है वह सब मेरे मन मस्तिष्क में स्थायी हो चुका है । आप का ज्ञान ही मेरा भोजन है और सारे विश्व का कल्याण, मेरे सभी दैवी भाई बहनों का कल्याण ही मेरा लक्ष्य है । मैं अब विश्व सेवाधारी हूँ और सारे ईश्वरीय खजानों का भी मालिक हूँ ।

आपका अभी और सदा के लिए, हस्ताक्षार :

(आप का नाम)

दिशानिर्देश (guidelines) :

इस फॉर्म को अपने नजदीकी सेवाकेन्द्रों पर अथवा माउंट आबू मधुबन में जमा करने से पहले निम्नलिखित दिशानिर्देशों को पढ़े जो नीचे पॉइंट्स के रूप में दिये गये हैं ।

१. ऊपर वाले फॉर्म को जमा करने का अर्थ है आपने स्वयं ईश्वर से प्रतिज्ञा की है । इसलिए आप को बड़ा सावध रहना है । आप ने स्वीकार किया है कि टीचर स्वयं शिवबाबा है दूसरा कोई नहीं । वही मेरे पिता, सखा और गाइड भी हैं ।
२. परमात्मा निराकार है और उसे कोई भी साकार देह नहीं है । इसलिये ये शिक्षाएँ प्रजापिता ब्रह्मा के मध्यम से सिखाएं जा रहे हैं जिन्हें हम आदि मानव (आदम) के रूप से जानते हैं । ब्रह्मा के माध्यम से परमात्मा शिव ने हमें ईश्वरीय वर्सा देने के लिए adopt किया है अर्थात गोद ली है । इसलिए हम मुख वंशावली ब्राह्मण कहलाते हैं । आप ने घोषणा की है कि मैं इस बात को अच्छी तरह से समझ चुका हूँ ।
३. आप ने घोषणा की है कि मैं समझता हूँ कि समर्पण प्रतिज्ञा अनुसार मैं रोज ज्ञान मुरली सुनूंगा अथवा पढ़ूंगा । मैं मुरली में दिये गए श्रीमत अनुसार स्वयं को परिवर्तन करने का पूरा प्रयत्न करूँगा ।
४. आप ने घोषणा की है कि मुरली ही सभी ज्ञान का स्त्रोत है इसलिये यदि मुझे किसी पूछे गये प्रश्न का उत्तर नहीं आ पाया तो मैं प्रश्नकर्ता को मुरली से उत्तर ढूढ़ने का सुझाव दूंगा बजाय खुद गलत उत्तर बताने के ।
५. आप ने घोषणा की है कि मैं शिवबाबा से प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं एक अच्छा बच्चा, ईमानदार छात्र (student) एवं आज्ञाकारी शिष्य (follower) बनूँगा ।

मैं पुनः सुनिश्चित करता हूँ कि यह समर्पण पत्र मेरे द्वारा पूर्ण रीती से पालन हो रहा है और इसमें दिये गए हर दिशानिर्देशों का पालन करने की हर संभव कोशिश करूँगा । समय बहुत ही कम शेष है इसलिए पावन, शक्तिशाली एवं गुणवान बनने के लिए मुझे अब अपने पुरुषार्थ में तीव्रता लानी है ।

नोट : कृपया, इस पत्र को अपने नजदीकी बी.के सेवाकेंद्र पर अथवा हमारे मुख्यालय मधुबन माउंट आबू के एड्रेस पर भेज दें ।

आपका पूरा नाम :

ज्ञान में कितने वर्षों से चल रहे हैं :

आप का निवास स्थान और नजदीकी सेवाकेंद्र :

पत्र जमा करने की तारीख:

आपके हस्ताक्षर: